न्यूज डायरी

चीन में 70 दिन बाद खुली तले हुए कीड़ों वाली मशहूर फूड–स्ट्रीट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन ने नानिंग में एक फूड स्ट्रीट कोरोना वायरस के चलते लॉकडाउन में बंद रहने के 70 दिन बाद खुल गई। यहां के स्कॉर्पियन्स, सेंटिपीड्स और दूसरे तले हुए कीड़े बेहद मशहूर हैं। यहां ग्रिल्ड ऑक्टोपस, स्पाइसी क्रेशफिश, स्टीम्ड डंपलिंग्स और राइस केक्स भी मिलते हैं। दावा किया जाता है कि चीन के वुहान में एक वेट मार्केट से कोरोना वायरस निकला था और पूरी दुनिया में फैल गया था। अब तक दुनियाभर में इस खतरनाक वायरस ने 2.3 लाख से ज्यादा लोगों की जान ले ली है। झोंगशान रोड फूड स्ट्रीट को जनवरी के अंत में बंद कर दिया गया था। देश में इन्फेक्शन के मामलों में कमी आने पर इसे खोल दिया गया था। यह फूड स्ट्रीट शहर में पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है और हर दिन शाम को 6 बजे से लेकर तड़के सुबह तक खुली रहती है। पहले यहां लोगों की भीड़ लगी रहती थी लेकिन अब ज्यादा से ज्यादा 3000 लोगों को जाने की इजाजत है जो पहले से 10 गुना कम है।

यूरोप में हॉस्पिटल गए हर तीन में से एक मरीज कभी नहीं लौटा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से हॉस्पिटल में भर्ती होने वाले हर तीन में से एक मरीज की मौत हो रही है। इनमें आधे से अधिक वेंटिलेटर पर जाने वाले मरीजों की मौत हो रही है। शोधकर्ताओं में ब्रिटेन में भर्ती होने वाले 17 हजार से अधिक मरीजों के अध्ययन के आधार पर यह आकलन किया है। इसके अनुसार, हॉस्पिटल में भर्ती होने वाले 33 फीसदी कोरोना मरीजों की मौत हो गई, जबकि 49 फीसदी ठीक होकर घर लौट आए। वहीं, 17 फीसदी से अधिक का अभी भी इलाज चल रहा है। यह कोरोना वायरस को लेकर यूरोप में होने वाला अभी तक का सबसे बड़ा अध्ययन है। इसमें कहा गया है कि वेंटिलेटर पर करीब 53 फीसदी मरीजों की मौत हुई। एक्सपर्ट्स का कहना है, इन नतीजों से पता चलता है कि कोरोना वायरस इबोला महामारी जितना खतरनाक हो सकता है।

चीन की लैब से ही आया कोरोना वायरस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक बार फिर कहा कि दुनिया भर में दहशत का कारण बना कोरोना वायरस चीन की लैब में ही बनाया गया था। ट्रंप ने कहा कि उन्हें इसका पूरा भरोसा है और इसके सबूत हैं कि कोरोना वायरस को वुहान की जैविक प्रयोगशाला में डिवलप किया गया था, हालांकि उन्होंने इसके सबूतों को लेकर कोई भी जानकारी शेयर करने से इनकार कर दिया। वाइट हाउस के एक कार्यक्रम में ट्रंप ने कोरोना वायरस के संक्रमण के मुद्दे पर बात की। इस दौरान उनसे पूछा गया कि क्या उनके पास कोई ऐसा सबूत है जो यह साबित कर सके कि कोरोना वुहान की वायरोलॉजी लैब में बनाया गया था? ट्रंप ने कहा कि हां मेरे पास इसके सबूत हैं, लेकिन मैं इसके बारे में आपको बता नहीं सकता और मुझे इसकी इजाजत भी नहीं है।

मरने से पहले एक बार पाकिस्तान जाना चाहते थे ऋषि कपूर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेशावर। बॉलिवुड के दिग्गज ऐक्टर ऋषि कपूर के निधन से भारत ही नहीं, बाहर भी शोक की लहर है। खासकर, पाकिस्तान से ऋषि कपूर का पुराना नाता रहा है। कपूर खानदान की जड़ें पाकिस्तान में रही हैं और ऋषि को भी बेहद लगाव था। यहां पेशावर में कपूर हवेली है जहां ऋषि के पिता राज कपूर का भी जन्म हुआ था। इस हवेली को 2018 में म्यूजियम बना दिया गया था। ऋषि ने एक बार ट्वीट भी किया था कि वह मरने से पहले एक बार पाकिस्तान जाना चाहते हैं। साल 2016 में ऋषि ने अपनी एक पुरानी तस्वीर शेयर की थी जिसमें वह पेशावर हवेली में खड़े दिख रहे थे। उन्होंने लिखा था, श्किसी ने ये भेजी थी। तस्वीर में रणबीर और मैं पेशावर में कपूर हवेली के बाहर दिख रहे हैं। जैसा तस्वीर में दिख रहा है कि हमारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया था।

चीन का भोपू बना डब्ल्यूएचओ 'शर्म' आनी चाहिएः डोनाल्ड ट्रंप

डब्ल्यूएचओ कदम उठाने में विफल रहाः पोम्पिओ

आरोप

■आर्थिक सहायता को भी अस्थायी रूप से रोक चुका है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी संकट के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन की तुलना चीन की जनसंपर्क एजेंसी के तौर पर करते हुए कहा कि संगठन को खुद पर शर्म आनी चाहिए। ट्रंप प्रशासन ने कोरोना वायरस पर डब्ल्यूएचओ की भूमिका की जांच शुरू की है और वह अमेरिका की ओर से दी जाने वाली आर्थिक सहायता को भी अस्थायी रूप से रोक चुका है।

ट्रंप ने गुरुवार को व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम में संवाददाताओं से कहा, श्मेरे विचार में विश्व स्वास्थ्य संगठन को खुद पर शर्म आनी चाहिए क्योंकि वह चीन की जनसंपर्क एजेंसी के तौर पर काम कर रहा है। उन्होंने दोहराया कि अमेरिका, डब्ल्यूएचओ को एक साल में करीब 50 करोड़ डॉलर देता है जबकि चीन 3.8 करोड़ डॉलर देता है।

उन्होंने कहा, यह कम हो या ज्यादा, इससे फर्क नहीं पड़ता। उन्हें उस वक्त बहाने नहीं बनाने चाहिए जब लोग भयानक गलतियां करते हैं खासकर ऐसी गलतियां जिससे विश्व में लाखों लोगों की जान चली जाए। राष्ट्रपति ने कहा, मेरे विचार में डब्ल्यूएचओ को खुद पर शर्म आनी चाहिए। विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने आरोप लगाया कि डब्ल्यूएचओ अपनी भूमिका में विफल रहा और उसने कोरोना वायरस पर विश्व को गुमराह किया।

उन्होंने द स्कॉट सैंड्स शो के साथ साक्षात्कार में कहा, डब्ल्यूएचओ इस मामले में कदम उठाने में विफल रहा। पोम्पिओ ने फॉक्स न्यूज को अन्य साक्षात्कार में कहा, डब्ल्यूएचओ के संबंध में, हम जानते हैं कि उसके पास एक ही काम है। एकमात्र मिशन वैश्विक महामारी को फैलने से रोकना। हमें पता है कि उस संगठन का नेता चीन गया और इसे तब तक वैश्विक महामारी मानने से इनकार करता रहा जब तक कि पूरे विश्व को पता नहीं चल गया कि यह सच था।

इस बीच कई रिपब्लिकन सांसदों ने संसद में सुनवाई की मांग करते हुए आरोप लगाया कि डब्ल्यूएचओ ने चीनी शासन की गलत सूचनाओं का कई मौके पर अंधानुकरण किया है। इसमें वायरस के मनुष्य से मनुष्य में फैलने की बात भी शामिल है।

बता दें कि अमेरिका में कोरोना वायरस से अभी तक 63,856 लोगों की जान जा चुकी है। एक आंकड़े के अनुसार, अमेरिका में कोरोना से मरने वालों की संख्या जल्द ही 1967 के खतरनाक फ्लू से मरने वालों की संख्या से ज्यादा हो जाएगी। तब 1967 में फ्लू से 1 लाख की मौत हुई थी।

उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन बीमार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन के स्वास्थ्य को लेकर पिछले कुछ दिनों से चल रहीं अटकलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अब ताइवान के खुफिया प्रमुख ने दावा किया है कि किम जोंग उन बीमार हैं और उनकी जगह पर नए नेता को चुनने की आपातकालीन योजना पर तेजी से काम चल रहा है।

किम जोंग उन के स्वास्थ्य को लेकर पिछले कुछ दिनों में कई दावे किए गए हैं, लेकिन इनकी पुष्टि नहीं हो पाई है। किम जोंग उन के बारे में कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया है कि वह संभवतः मर गए हैं लेकिन दक्षिण कोरिया समेत कई और देशों से आ रही रिपोर्टों में कहा गया है कि किम जोंग उन जिंदा हैं। उत्तर कोरिया दुनिया से अपनी सूचनाएं छिपाने के लिए कुख्यात है। इसी वजह से किम जोंग उन के बारे में सही सूचना बाहर नहीं आ पा रही है। इस बीच ताइवान के नैशनल सिक्यॉरिटी ब्यूरो के डॉयरेक्टर च्यि क्यो–चेंग ने एक अपडेट जारी किया है। ताइवान न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक किम जोंग उन बीमार हैं।

चेंग ने कहा ने कहा कि उनका यह दावा खुफिया सूचनाओं पर आधारित है। यह मेरी राय नहीं है। चेंग ने कहा कि उत्तर कोरियाई सूत्रों की सुरक्षा के लिए वह और ज्यादा जानकारी नहीं देंगे।

पाकिस्तान में पूर्व सैनिकों के 4 लाख भूत ले रहे थे पेंशन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पाकिस्तान। पाकिस्तान में पूर्व सैनिकों के 4 लाख भूत ले रहे थे पेंशन, कोरोना वायरस से हुआ खुलासा कोरोना वायरस से जूझ रहे पाकिस्तान में सेना को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पाकिस्तान के डाक विभाग के घर–घर जाकर पेंशन देने के दौरान पता चला है कि करीब 4 लाख पूर्व सैनिक ऐसे हैं जो कागज में तो जिंदा हैं और वर्षों से पेंशन ले रहे हैं लेकिन मौके पर मौजूद नहीं थे। इन पूर्व सैनिकों को अब पाकिस्तान पोस्ट ने भूत पेंशनर का दर्जा दिया है। साथ ही इनकी जांच भी शुरू कर दी गई है।

कोरोना वायरस से जंग में भारत बना अगुवाः अमेरिकी सांसद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

भारत अमेरिका के सबसे करीबी सहयोगियों में शामिल

वॉशिंगटन। अमेरिका के एक प्रभावशाली सांसद ने हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन दवाओं जैसी अहम दवा को कोरोना महामारी के बीच बड़ी मात्रा में अमेरिका को मुहैया कराने के लिए भारत की प्रशंसा की है। सांसद जॉर्ज होल्डिंग ने कहा कि भारत कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में अगुवा के तौर पर सामने आया है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका के सबसे करीबी सहयोगियों में शामिल है। सांसद होल्डिंग ने कहा, 'भारत अमेरिका के सबसे करीबी और महत्वपूर्ण सहयोगियों में से एक है और हमारे रिश्ते को हमेशा वॉशिंगटन में दोनों पक्ष का समर्थन प्राप्त रहा है। मैं आभारी हूं कि भारत कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में एक अगुवा के तौर पर सामने आया और मुझे खुशी है कि इस वैश्विक महामारी के दौरान हमारी खास साझेदारी मजबूत बनी हुई है।'

होल्डिंग भारत और भारतीय–अमेरिकियों पर कांग्रेस की कॉकस के सह–अध्यक्ष भी हैं। उत्तर कैरोलिना के प्रभावशाली रिपब्लिकन सांसद ने एक बयान में अमेरिका में महामारी संबंधी राहत कार्यों में भारतीय–अमेरिकी गैर लाभकारी संगठनों और सामुदायिक संगठनों की ओर से निभाई जा रही भूमिका की भी सराहना की। होल्डिंग ने कहा, 'अमेरिकी सरजमीं पर सेवा इंटरनेशनल (भारत स्थित सेवा संगठन) मास्क, भोजन बांटने के लिए बिना थके काम कर रही है और यह सुनिश्चित कर रही है कि देशभर में कमजोर वर्ग के लोगों को भोजन तथा दवाएं मिले।' उन्होंने कहा कि भारत सरकार कोविड–19 से निपटने में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की मदद के लिए अपने देश और अमेरिका दोनों में कड़ी मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा, 'यह देखना रोमांचक है कि हमारे करीबी और सबसे महत्वपूर्ण साझेदारों में से एक का करीब 10 हजार मील दूर से हमारे देश पर कैसे इतना प्रभाव हो सकता है।'

रूस बना रहा महाविनाशक बम, एक पल में तबाह हो सकती है दुनिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रूस। रूस बना रहा महाविनाशक बम, एक पल में तबाह हो सकती है दुनियाकोरोना वायरस महासंकट के बीच रूस ने दुनिया के सबसे बड़े बम का डिजाइन तैयार किया है। दुनिया में कयामत लाने में सक्षम इस महाबम को रिमोट से चलाकर विस्फोट किया जा सकता है। माना जा रहा है कि भविष्य में अगर रूस और पश्चिमी देशों के बीच जंग होती है तो रूस इसे अंतिम हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर सकता है। परमाणु शक्ति संपन्न स्किफ मिसाइल को अंतिम हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए डिजाइन किया गया है। स्किफ मिसाइल पर लगा बम सिंथेटिक रेडियोधर्मी तत्व कोबाल्ट–60 के इस्तेमाल से समुद्र के बड़े हिस्से और उसके तटों में तबाही ला सकता है। यह मिसाइल 6,000 किमी दूर तक मार कर सकती है। 60 मील प्रति घंटे की रफ्तार के अपने ठिकाने पर निशाना लगाने में सक्षम है। इसका मकसद दुनिया को यह संदेश देना है कि रूस को कोई नहीं हरा सकता है। अगर इस बम को छोड़ा गया तो यह ब्रिटिश द्वीपों या अमेरिकी तटों के आसपास जहाजों को नष्ट कर सकता है और कई वर्षों के लिए पानी में जहर घोल सकता है।